॥ श्री शीतला माता की आरती ॥

जय शीतला माता,मैया जय शीतला माता।
आदि ज्योति महारानीसब फल की दाता॥

ॐ जय शीतला माता...।

रतन सिंहासन शोभित,श्वेत छत्र भाता।
ऋद्धि-सिद्धि चँवर डोलावें,जगमग छवि छाता॥

ॐ जय शीतला माता...।

विष्णु सेवत ठाढ़े,सेवें शिव धाता।
वेद पुराण वरणतपार नहीं पाता॥

ॐ जय शीतला माता...।

इन्द्र मृदङ्ग बजावतचन्द्र वीणा हाथा।
सूरज ताल बजावैनारद मुनि गाता॥

ॐ जय शीतला माता...।

घण्टा शङ्ख शहनाईबाजै मन भाता।
करै भक्त जन आरतीलखि लखि हर्षाता॥

ॐ जय शीतला माता...।

ब्रह्म रूप वरदानीतुही तीन काल ज्ञाता।
भक्तन को सुख देतीमातु पिता भ्राता॥

ॐ जय शीतला माता...।

जो जन ध्यान लगावेप्रेम शक्ति पाता।
सकल मनोरथ पावेभवनिधि तर जाता॥

ॐ जय शीतला माता...।

रोगों से जो पीड़ित कोईशरण तेरी आता।
कोढ़ी पावे निर्मल कायाअन्ध नेत्र पाता॥

ॐ जय शीतला माता...।

बांझ पुत्र को पावेदारिद्र कट जाता।
ताको भजै जो नाहींसिर धुनि पछताता॥

ॐ जय शीतला माता...।

शीतल करती जन कीतू ही है जग त्राता।
उत्पत्ति बाला बिनाशनतू सब की माता॥

ॐ जय शीतला माता...।

दास नारायणकर जोरी माता।
भक्ति आपनी दीजैऔर न कुछ माता॥

ॐ जय शीतला माता...।